माँ शक्तिदादी आरती

शक्ति कोटासर धाम हैं, कलजुग के अवतार,
भलो कीजौ भक्त को, माँ विनती बारम्बार,

ॐ जय श्रीशक्ति दादी,माँ जय श्रीशक्ति दादी,
आप हो जग की माता,जगदम्बा आदि,
ओम् जय...

कोटासर में विराजत,महिमा अति भारी,
लाल चुंदड़ी सोहे,मूरत छबि प्यारी ,
ओम् जय...

जोशीकुल पर मैहर किन्ही,सब जग को तार्यो,
जो कोई शरणे आयो,सकल काज सार्यो ,
ओम् जय...

प्रगट भई कलजुग में,ब्राह्मण कुल मांई,
वंश उज्ज्वल कीन्हो,कोटासर आई ,
ओम् जय...

कुलदेवी चामुण्डा, संग भैरव सोहे
चण्ड मुण्ड विनाशिनी, दानव मति मोहे,
ओम् जय...

माना शक्तिदादी कि, जो महिमा नित वरणी ,
आरती आरत हरणी,सुख सम्पत्ति करणी,
ओम् जय...

दादी शक्ति की आरती,जो कोई नर गावे ,
रचना किन्ही श्रीराधे,दु:ख दारिद जावे,
ओम् जय...

स्वर :- लक्ष्मण सिंह हरसोलाव
रचियता :- पण्डित श्रीराधे जी महाराज

Source: https://www.bharattemples.com/maa-shakti-dadi-aarti/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw